एकान्तता का अधिकार

रूपरेखा

- • सत्र 1: परिचय
- गोपनीयता क्या है?
- अंतरराष्ट्रीय उपकरणों में गोपनीयता
- संस्कृतियों और संदर्भों में गोपनीयता
- • चर्चा
- • सत्र 2: गोपनीयता, इंटरनेट और आईसीटी
- गोपनीयता के लिए चुनौतियां
- गोपनीयता पर इंटरनेट और आईसीटी का प्रभाव
- कार्यान्वयन, प्रवर्तन, आनंद और गोपनीयता का उल्लंघन
- • चर्चा
- • ब्रेक
- • सत्र 3
- • केस अध्ययन
- • अपने काम के लिए निहितार्थ की चर्चा
- • प्रतिक्रिया और निष्कर्ष

सत्र 1: परिचय

गोपनीयता की परिभाषा

- अधिकार -अकेले रहने का
- निर्धारित करना आप के बारे किसको जानकारी होनी चाहिए
- अधिकार अपने जीवन के बारे में स्वायत्त विकल्प बनाने के लिए

1948 की मानवाधिकार की सार्वभौम घोषणा

अनुच्छेद 12

- किसी के भी ऊपर मनमाने ढंग से उसकी गोपनीयता, परिवार, घर या पत्राचार के साथ, और न ही उनके सम्मान या प्रतिष्ठा पर हमले करने का अधिकार है

- हर किसी को इस तरह के हस्तक्षेप के खिलाफ कानून का संरक्षण प्राप्त करने का अधिकार है

मानव अधिकारों के संरक्षण और मौलिक स्वतंत्रता के लिए 1950 का यूरोपीय कन्वेंशन

- अनुच्छेद 8

- (1) प्रत्येक व्यक्ति को अपने निजी और पारिवारिक जीवन, अपने घर और अपने पत्राचार के लिए सम्मान का अधिकार है।
- (2) कानून के अनुसार है और राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक सुरक्षा यी आर्थिक भलाई के के हित में एक लोकतांत्रिक समाज में आवश्यक है के रूप में इस तरह के अलावा इस अधिकार के प्रयोग के साथ एक सार्वजनिक प्राधिकार से कोई हस्तक्षेप नहीं किया ज़ाएगा देश, नैतिकता का, या दूसरों के अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए विकार या अपराध की रोकथाम के लिए.

व्यक्तिगत डेटा की रक्षा का अधिकार

- गोपनीयता का संरक्षण और व्यक्तिगत डाटा का सीमा के आर-पार आदान-प्रदान -आर्थिक सहयोग और विकास संगठन(ओईसीडी) के 1981 के दिशा निर्देश

- व्यक्तियों के पर्सनल डाटा के स्वत: प्रसंस्करण के संरक्षण के संबंध में यूरोप कन्वेंशन की 1985 की परिषद

- यूरोपीय संघ के 2000 के मौलिक अधिकारों का चार्टर, अनुच्छेद 8

निजता के अधिकार पर अनुमत सीमाएं

1. कानून के अनुसार

2. एक वैध उद्देश्य की खोज में

3. एक लोकतांत्रिक समाज में आवश्यक

संस्कृतियों के आर पार निजता

- Note: the picture of newspaper has to be copied here which could not be done as it is a PDF file

विचार-विमर्श

- सत्र 2 –

- गोपनीयता, इंटरनेट और आईसीटी

निजता के लिए संवैधानिक सुरक्षा

पाकिस्तान

- अनुच्छेद 14.
- (1) कानून के अधीन आदमी, गरिमा, और, घर की गोपनीयता, अनुल्लंघनीय है

सऊदी अरब

अनुच्छेद 37. घर

घर पुण्यमय है और विधियों द्वारा निर्दिष्ट मामलों को छोड़कर मालिक की अनुमति के बिना प्रवेश नहीं किया जाएगा या खोजा नहीं जाएगा.

अनुच्छेद 40 संचार

डाक -तार, टेलीफोन और संचार की, अन्य साधनों की रक्षा की जाएगी। वे विधियों द्वारा परिभाषित मामलों को छोड़कर बात सुनी नहीं जा सकती , या उन्हें न ही जेब्त किया जा सकता है न पढ़ा जा सकता है.

मध्य अफ़्रीकी गणतंत्र

अनुच्छेद 13 [...] पत्राचार की निजता के साथ-साथ, डाक इलेक्ट्रॉनिक, तार और टेलीफोन संचार निजता अनुल्लंघनीय हैं। ऊपर के लिए प्रतिबंध केवल कानून के आवेदन से निर्धारित किया जा सकता है। [...]

अनुच्छेद 14 [...] घर अनुल्लंघनीय है. इसमें केवल एक न्यायाधीश को ही दखल करने का अधिकार है, बशर्ते कि उस आवास के बारे मे अन्य अधिकारीयों को यह अंदेशा है कि उससे कणों और व्यवस्था को खतरा हो सकता है, फिर भी यह क्रियान्वयन प्रक्रिया कानूनी दायरों के भीतर ही होगी. घर या प्रतिबंध की पवित्रता को प्रभावित करने के उपायों का क्रियान्वयन सार्वजनिक खतरे से बचने के लिए या जोखिम में लोगों की रक्षा के लिए ले जाया जाएगा. ये उपाय क़ानून के क्रियान्वयन में लागू होंगे बशर्ते कि आसन्न खतरों विशेषकर महामारी, आग के जोखिम के खिलाफ लड़ने के लिए या खतरे में लोगों की रक्षा के लिए, या सार्वजनिक व्यवस्था की रक्षा के लिए किया जा सकता है.

नेपाल

गोपनीयता के अधिकार अनुच्छेद 22

कानून द्वारा प्रदान अधिकारों के अलावा, किसी का व्यक्ति, घर, संपत्ति, दस्तावेज, पत्राचार या जानकारी की गोपनीयता अनुल्लंघनीय है। (अंतरिम संविधान)

निजता को चुनौतियाँ- डेटा संरक्षण

- विश्व के विभिन्न देशों संरक्षण की स्थिति
- Note: here again there is an image that cannot be copied as it is in PDF

निजता को चुनौतियाँ- पहचान के मुद्दे

- Same situation as in slide 15

डीएनए बॉयोमीट्रिक्स

- राष्ट्रीय डीएनए डेटाबेस -2011

निजता को चुनौतियाँ- निगरानी

निजता को चुनौतियाँ- कमजोर वर्ग

सरकार का उपयोग और डेटा का उपयोग

- व्यक्तिगत डेटा विविध प्रयोजनों के लिए प्रयोग किया जाता है:

- प्रशासन और सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी
- कानून प्रवर्तन

- पहचान प्रबंधन और सामाजिक छँटाई
- संचार और व्यवहार की निगरानी

डेटा संरक्षण के सिद्धांत

- **संग्रह सीमा**
- **डेटा की गुणवत्ता**
- **प्रयोजन विनिर्देश**
- **प्रयोग करने की सीमा**
- **सुरक्षा निगरानी**
- **खुलापन**
- **व्यक्तिगत भागीदारी**
- **जवाबदेही**
- **सीमाहीन डेटा प्रतिधारण**

कॉर्पोरेट का उपयोग और डेटा का उपयोग

- व्यवहार संबंधी विज्ञापन और रूपरेखा
- • डेटा खनन
- • बिग डेटा

कानूनी रूपरेखाएँ

- सेवा / उपयोगकर्ता समझौतों की शर्तें
- • डेटा संरक्षण
- कॉर्पोरेट डेटा तक सरकार की पहुँच

तीसरे पक्ष द्वारा उपयोग और डेटा का उपयोग

- ऑनलाइन धोखाधड़ी और हैकिंग
- मीडिया गोपनीयता और मानहानि
- गुमनामी और वास्तविक नाम पंजीकरण कानून

विचार-विमर्श

सत्र 3

केस स्टडी 1 - भारत की यूआईडी

- गोपनीयता के अधिकार के लिए यूआईडी का निहितार्थ क्या हैं?

- गोपनीयता और सुरक्षा के बीच संतुलन कहां स्थापित होना चाहिए?
- भारतीय नागरिकों का ट्रैक रखने और उनको सार्वजनिक सेवा प्रदान करना क्या गोपनीयता के अधिकार का सम्मान करने से ज्यादा महत्वपूर्ण है?

केस स्टडी 2–
उपभोक्ता के डेटा का खनन

- क्या सारा की गोपनीयता का उल्लंघन किया गया है? क्यों / क्यों नहीं?
- सारा के बारे में व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करने के संबंध में क्या टारगेट ने अपनी जिम्मेवारियों का निर्वाह किया है ?
- सारा ने उसके बारे में उपलब्ध जानकारी को टारगेट तक पहुचने से रोकने के क्या इंतज़ाम किये हैं?

केस स्टडी 3- **एशिया में वास्तविक नाम पंजीकरण**

- **क्या वास्तविक नाम पंजीकरण निजता के अधिकार के लिए सम्मान को बढ़ावा देता है?**
- **क्या अनाम रहना दूसरों की गोपनीयता का उल्लंघन करने के लिए व्यक्तियों को प्रोत्साहित करता है?**
- **जब वास्तविक नाम पंजीकरण करने के लिए आता है तब गोपनीयता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच कैसे संतुलन बनाना चाहिए?**